भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं-1834

उत्तर देने की तारीख-13/02/2023

विद्यालय नवाचार परिषद के अंतर्गत शिक्षकों का प्रशिक्षण

†1834. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्री कुलदीप राय शर्माः
डॉ. सुभाष रामराव भामरेः
श्री जी.सेल्वम:
श्री सी.एन. अन्नादुरईः
श्री धनुष एम. कुमार:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
डॉ. डी. एन. वी. सेंथिल कुमार एस.:
श्रीमती मंजुलता मंडल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विद्यालय नवाचार परिषद की शुरुआत की है और यदि हां, तो इसके लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;
(ख) क्या सरकार "विद्यालय नवाचार एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों को नवाचार उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, विचार सृजन आदि में प्रशिक्षित करने का प्रयास कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और महाराष्ट्र और तमिलनाडु राज्य में नवाचार एम्बेसडरों के रूप में मान्यता प्राप्त शिक्षकों की संख्या कितनी है;
(घ) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए हैं कि नवाचार एम्बेसडर के रूप में मान्यता प्राप्त शिक्षक विद्यालय स्तर पर बच्चों को विचारधारा, नवाचार और उद्यमिता के कौशल प्रदान करने में सक्षम हो और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार का विचार जनजातीय छात्रों के बीच क्षमता निर्माण रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और संचार विकसित करने के लिए एकलव्य विद्यालयों को इस कार्यक्रम से जोड़ने का है;
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(छ) अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए अन्य कदम क्या हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुभाष सरकार)

(क): जी, हाँ। स्कूल नवाचार परिषद (एसआईसी), शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) की एक पहल 1 जुलाई 2022 को शुरू की गई थी। यह कार्यक्रम भारत के सभी स्कूलों (विदेश में एकलव्य स्कूलों और सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों सहित) के लिए है।

एसआईसी का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करके विचारधारा, नवाचार, उद्यमिता, रचनात्मक चिंतन, अभिकल्पना चिंतन, प्रोटोटाइपिंग, सामान्य विचार धारा से अलग चिंतन, बौद्धिक संपदा निर्माण और व्यावसायीकरण की संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस पहल का विवरण वेबसाइट- **https://sic.mic.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(ख) और (ग): जी**,** हाँ। शिक्षा मंत्रालय की नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी**)** ने स्कूल शिक्षकों के लिए **72** घंटे का 'स्कूल नवाचार एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसआईएटीपी)' शुरू किया है**,** जिसमें पांच मॉड्यूल शामिल हैं।

1. अभिकल्पना चिंतन और नवाचार
2. विचार उत्पत्ति और विचार साझा करना (आइडिया जेनेरेशन एंड आइडिया हैंडहोल्डिंग)
3. बौद्धिक संपदा अधिकार
4. वित्त**,** मानव संसाधन और बिक्री
5. उद्यमिता और प्रोटोटाइप/उत्पाद विकास।

एसआईएटीपी के तहत प्रशिक्षित शिक्षक 'स्कूल नवाचार परिषद' कार्यक्रम के एक अभिन्न अंग बन जाते हैं और उन्हें स्कूल के छात्रों के विचारों और नवाचारों को साझा करने और सहयोग करने का कार्य सौंपा जाता है।

न्यूनतम **50%** स्कोर सहित उपर्युक्त पांच मॉड्यूल को उत्तीर्ण करने पर शिक्षकों को शिक्षा मंत्रालय के 'नवाचार एम्बेसडर ' के रूप में मान्यता दी जाती है।

कुल मिलाकर, 14,987 शिक्षकों ने स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर के रूप में योग्यता प्राप्त की है, इनमें से महाराष्ट्र में 1914 स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर और तमिलनाडु में 735 स्कूल इनोवेशन एम्बेसडर हैं।

(घ): शिक्षक द्वारा नवाचार एम्बेसडर के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु गुणवत्ता आश्वासन के लिए निम्नलिखित दो चरणों से गुजरना होता हैं-

1. प्रत्येक एसआईएटीपी मॉड्यूल्स को 50% से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हो।
2. एसआईएटीपी के तहत सभी पांच मॉड्यूल्स 50% से अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण हों।

उपर्युक्त दो मानदंडों को पूरा करने पर शिक्षकों को नवाचार एम्बेसडर के रूप में मान्यता दी जाती है।

उन्हें अपने छात्रों के विचार और नवाचार को साझा करने और उन्हें नवाचार, विचार और उद्यमिता की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में मार्गदर्शन करने हेतु प्रशिक्षित किया जाता है।

(ड.**)** और **(**च**):** जी**,** हाँ। जनजातीय छात्रों हेतु एकलव्य स्कूल पहले से ही इस पहल का हिस्सा हैं। एकलव्य विद्यालयों**,** पंजीकृत शिक्षकों और नवाचार एम्बेसडरों का विवरण निम्नानुसार है:
पंजीकृत एकलव्य विद्यालयों (ईएमआरएस) की संख्या- 373
एकलव्य विद्यालयों (ईएमआरएस) से पंजीकृत शिक्षकों की संख्या - 1210
एकलव्य स्कूलों (ईएमआरएस**)** से नवाचार एम्बेसडरों की संख्या - 610

(छ): शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ ने सीबीएसई स्कूलों में प्रायोगिक आधार पर कक्षा 6से 12वीं तक वैकल्पिक विषय के रूप में 'अभिकल्पना चिंतन एवं नवाचार' की शुरुआत की है। संपूर्ण पाठ्यक्रम और पाठ्य विषयवस्तु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई और अन्य विषय विशेषज्ञों के समन्वय से विकसित की गई है। स्कूल के छात्रों को शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल द्वारा आयोजित हैकथोन में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

***